











भारत और यूरोपीय संघ के सदस्यों समेत दुनिया के साठ देशों के खिलाफ घोषित पारस्परिक टैरिफ को नब्बे दिनों को टालने की घोषणा की है। बहरहाल, उनके इस अप्रत्याशित फैसले ने वैश्विक बाजारों को राहत दी है। जो यह दशाती है कि अड़ियल माने जाने वाले डोनाल्ड ट्रंप प्रतिकूल वैश्विक प्रतिक्रिया और घरेलू स्तर पर लगातार तेज होती असंतोष की आवाज से पूरी तरह से बेखबर नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर ट्रंप ने चीन के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने की रफ्तार तेज कर दी है। अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर लागू होने वाले कर को दूर बढ़ाकर एक सौ पच्चीस कर दिया है। ऐसा लगता है कि चतुर सुजान ट्रंप को इस बात का अहसास हो गया है कि दुनिया के बहुत सारे देशों को नाराज करने की तुलना में एक मुख्य प्रतिद्वंद्वी पर निशाना केंद्रित करना अधिक सुरक्षित और समझदारी से भरा फैसला होता है। दरअसल, टैरिफ वॉर के बाद अमेरिका में शेयर बाजार जिस तेजी से ध्वस्त हुए हैं, उसके मद्देनजर उनके अमेरिका ग्रेट ओपन के सपने को खराब पैदा होने की आशंका पैदा हो गई है। तभी वह अपने टैरिफ थोपने के फैसले को कुछ दिनों के लिये आगे टाल रहे हैं। लेकिन अनिश्चय के दौर से गुजर रहे वैश्विक बाजार को कुछ समय के लिये राहत जरूर मिली है। जिसका असर दुनिया के शेयर बाजारों पर भी नजर आया है। जिससे मंदी की तरफ बढ़ रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कुछ समय तक राहत की सांस ले सकती हैं। बहरहाल, भारत ने ट्रंप के द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का तत्काल जवाब न देकर सकारात्मक पहल की है। ऐसा लगता है कि भारत ने ट्रंप के टैरिफ पर आक्रामक रुख अपनाने के बजाय इंतजार करने का फैसला करके समझदारी भरा कदम उठाया है। हालांकि, इस फैसले को लेकर विपक्षी आलोचना के स्वर भी सुनाए देते रहे हैं।



**मेघ :** अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाएंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से काम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

**वृष :** आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बढ़हाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

**मिथुन :** कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रबंध में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

**कर्क :** परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी प्रतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

**सिंह :** व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ

**संस्थापक**  
**स्व. डॉ. अभय कुमार सिंह**  
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए

**मुद्रक, प्रकाशक**  
**मंजू सिंह**

द्वारा चिरौदी, बोडेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।  
प्रधान संपादक **सौरभ कुमार**  
संपादक **अविनाश ठाकुर\***  
फोन : 95708-48433  
पिन: -834006  
e-mail **khbarmantra.city@gmail.com**

R.N.J.No. **JHAHIN/2013/51797**  
धनवाद कार्यालय  
लुबी संकुल रोड, धनवाद 826001 से प्रकाशित।  
(R.N.J.No. आवेदित)

\*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।



भौतिक चकाचौंध व सोशल मीडिया से बढ़ रहे रिश्तों के कल

आंकड़ों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कल के मामले सामने आए। ये तमाम कल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती।

विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की सीख देने वाले भारत जैसे आध्यात्म और शांति की धरा वाले देश में बढ़ती भौतिक विलासिता की चकाचौंध और सोशल मीडिया का जिन्दगी में बढ़ता दखल, पारिवारिक-सामाजिक ताने-बाने को छिन-भिन्न कर रहा है। संबंधों में तकरार और फिर नृशंस तरीके से हत्या जैसे मामलों ने देश को झकझोर कर रख दिया है। मेरठ की मुसलमान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपुत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अजुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बंगलुरु में देखने को मिला, वहां के हुलीमाया क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को हत्या करके उसकी बाँटी को सूटकेस में भर दिया। देश के अलग-अलग शहरों में हो रही ऐसी हत्याओं ने देश की जनता को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। आखिर ये सिलसिला कहाँ जकर थमेगा? इन घटनाओं ने सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया है कि आखिर यह देश किस दिशा में जा रहा है।

पति पत्नी का और पत्नी पति का कल कर देती है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कल हुआ है। इनमें से 60 फीसदी के करीब कल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किया। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियाँ कल कर देती हैं और लगभग 275 संयुक्त अपने पति के हाथों मारी जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारह मिनट में एक महिला या लड़की का कल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कल उनके घर के अंदर होता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाईजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कल हुए थे और इनमें



से भी 60 फीसदी से ज्यादा कल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर। ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या



- योगेन्द्र योगी

पति का कल करती हैं। एनसीआरबी के 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इश्क और रिश्तों में लोग अब जान नहीं देते बल्कि जान लेते हैं। भारत में जिन वजहों से सबसे ज्यादा कल होते हैं। उनमें लव अफेयर और शादी के बाद संबंधों के मामलों में होने वाला कल तीसरे और

आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कल होते हैं, उसकी 58 फीसदी शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौकाने वाला आंकड़ा ये भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 फीसदी पुरुषों का भी कल होता है। अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है।

रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कल होते हैं, उसकी 58 फीसदी शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौकाने वाला आंकड़ा ये भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 फीसदी पुरुषों का भी कल होता है। अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है। ब्रिटिश मेडिकल जनरल लेनसेट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 60 फीसदी महिलाओं के कल मौजूदा या फिर पूर्व पार्टनर की वजह से होती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में महिलाओं के कल का सबसे ज्यादा खतरा उन्हीं के मौजूदा या पूर्व पार्टनर से ही होता है। जबकि पूर्व या मौजूदा महिला पार्टनर के हाथों पुरुषों के कल का प्रतिशत सिर्फ साढ़े 6 फीसदी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक देश में हर साल कितने पति अपनी पत्नी का या पत्नी अपने

चौथे नंबर पर आता है। देश में होने वाले हर 10 में से औसतन एक कल किसी ना किसी आशिक-माशूक या पति-पत्नी के हाथ से ही होता है। आंकड़ों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कल के मामले सामने आए। ये तमाम कल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती। परेशान करने वाली बात यह है कि इन 19 वजहों में से तीसरी और चौथी नंबर पर कल की जो वजह बनी वो इश्क, धोखा, फरेब और शादी के बाद के संबंध थे। 28 हजार 522 कल के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कल इसी वजह से हुए। ऐसा नहीं है कि इश्क में पहले कल नहीं हुआ करते थे। पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमचे उठाए हैं। लेकिन

श्री हनुमान के स्मरण के साथ बल, तेज और निर्भीकता की भावनाएं जुड़ती हैं

हनुमान जयंती (12 अप्रैल)  
**गिरिशंकर मिश्र**

संस्कृति के लोक का कलेवर अत्यन्त विशाल, व्यापक और आमजन को सामर्थ्यवान बनाने वाला होता है। उसके अंतर्गत परिकल्पित परिवेश के पात्र अक्सर देश-काल की सीमाओं का अतिक्रमण करते हुए विचार, प्रतिमा, प्रथाओं और विभिन्न अनुष्ठानों की सहायता से सबके लिए उपलब्ध रहते हैं। उनके साथ कथाएँ और किंवदंतियाँ भी जुड़ती रहती हैं क्योंकि उनसे लोगों को जीवन जीने के लिए जरूरी समर्थन, प्रेरणा और शक्ति मिलती है। राम-भक्ति के सिरमौर पवनसुत श्री हनुमान शारीरिक बल और उत्तम कोटि की मेधा या बुद्धि में श्रेष्ठ ऐसे ही विरल भारतीय व्यक्तित्व की सर्जना हैं। हनुमान जी कई अर्थों में विलक्षण हैं। वे कई तरह के परस्पर विरोध दिखाने वाली विशेषताएँ भी रखते हैं। मानवेतर होने पर भी गूढ़ राम-रसायन का तत्व उन्हीं के पास है।

वे श्रीराम के निकट परिवार के सदस्य न होकर भी राम पंचायतन के प्रमुख और स्थायी सदस्य हैं। मंदिरों और चित्रों में सर्वत्र श्रीराम का स्मरण श्री हनुमान के बिना पूरा नहीं होता है।

भगवान श्रीराम अपने प्रिय भक्त हनुमान को भरत की ही तरह सगा छोटा भाई मानते हैं। भरतजी भक्त-शिरोमणि कहलाते हैं। उन्हीं की तरह महावीर श्री हनुमान भी निर्विवाद रूप से श्रीराम के परम भक्त हैं। गोस्वामी जी उनको कवीश्वर कहते और कवीश्वर वाल्मीकि के साथ याद करते हैं। ये दोनों सीताराम के गुणों के पुण्य जंगल में विचरण करते रहते हैं - सीतारामगुणग्रामपुण्यारण्यविहारिन् कवीश्वरकपीश्वरी। श्रीराम की कथा हनुमान जी को अत्यंत प्रिय है और यदि व्यक्तित्व की सर्जना हैं। हनुमान जी कई अर्थों में विलक्षण हैं। वे कई तरह के परस्पर विरोध दिखाने वाली विशेषताएँ भी रखते हैं। मानवेतर होने पर भी गूढ़ राम-रसायन का तत्व उन्हीं के पास है।

**धर्म**

करने वाली है। यही कारण है कि उनकी लोकप्रियता असाधारण रूप से बढ़ती रही है। बचपन से ही श्री हनुमान के स्मरण के साथ बल, तेज और निर्भीकता की भावनाएं जुड़ जाती हैं। श्री हनुमान के कई मंदिरों की सिद्ध स्थानों के रूप में प्रसिद्धि है और बड़ी आस्था के साथ भक्त और दुखियारे सभी वहाँ पहुँचते हैं।

रामकथा के ब्यौरे में जाएँ तो पता चलता है कि जब जटिल प्रसंग आते हैं, जब कठिन समस्या का कोई समाधान नहीं मिलता तो हनुमान का स्मरण किया जाता है। वे रामदूत और एक संवादी के रूप में जगत प्रसिद्ध हैं। जैसा कि हम सब जानते हैं, श्रीराम द्वारा लंका विजय की मानुष अवतार वाली रामकथा में कई जटिल अवसरों पर बजरंग बली के बिना उलझनों का समाधान ही नहीं मिलता और कथा आगे

ही नहीं बढ़ती। हनुमान जी सभी सिद्धियों के आगार और गुणों में निष्णात तो हैं ही उनके पास सभी निधियों भी हैं। यह सब होने के बावजूद अतुलित बलशाली हनुमान जी बड़े सरल स्वभाव के हैं। सभी तरह की संपदा होने के बावजूद उन्हें अहंकार का लेश मात्र नहीं है। उनका अहं भाव विगलित हो के कई मंदिरों की सिद्ध स्थानों के रूप में प्रसिद्धि है और बड़ी आस्था के साथ भक्त और दुखियारे सभी वहाँ पहुँचते हैं। रामकथा के ब्यौरे में जाएँ तो पता चलता है कि जब जटिल प्रसंग आते हैं, जब कठिन समस्या का कोई समाधान नहीं मिलता तो हनुमान का स्मरण किया जाता है। वे रामदूत और एक संवादी के रूप में जगत प्रसिद्ध हैं। जैसा कि हम सब जानते हैं, श्रीराम द्वारा लंका विजय की मानुष अवतार वाली रामकथा में कई जटिल अवसरों पर बजरंग बली के बिना उलझनों का समाधान ही नहीं मिलता और कथा आगे

को निश्चल प्रेम के सिवा कुछ भी नहीं चाहिए। इसलिए हनुमान जी सर्वजनसुलभ हैं। आज देश के कोने-कोने में गाँव और शहर सर्वत्र उनकी पूजा-अर्चना के लिए लोग तत्पर रहते हैं और अनेकानेक भव्य मंदिर उनकी समर्पित हैं। लोग अपनी मनोकामना की साध लिए बड़े भरोसे के साथ हनुमानजी की शरण में आते हैं। हनुमानजी को रिझाने के लिए मंदिरों में मंगलवार को भीड़ टूट पड़ती है। हर मंत्र यह भी जरूर याद रखना चाहिए कि सच्ची भक्ति तो भक्त और भगवान के बीच किसी तरह का हिसाब-किताब नहीं करती। वह निर्मल मन से समर्पण और अखंड प्रीति चाहती है। हनुमानजी की भक्ति हमें अपने जीवन में अर्ध, परदुःखकारता, निष्कपट मित्रता, सदाचार और ईश्वर के प्रति समर्पण जैसे मूल्यों को उतारने के लिए प्रेरित करती है। (लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

लाहौर पर मराठा और रणजीत सिंह की दोहरी विजय

अप्रैल की गौरवगाथा  
**प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा**

सात शताब्दियों तक दमनकारी विदेशी आक्रान्ताओं के आधिपत्य में रहने के बाद 18वीं सदी में भारतभूमि की अस्मिता ने अप्रैल मास में दो बार लाहौर को स्वतंत्रता की सांस दी। एक बार 1758 में मराठा सेनापति रघुनाथ राव और मल्हार राव होलकर ने नेतृत्व में और दूसरी बार 1799 में महाराजा रणजीत सिंह के विजयी अभियान के माध्यम से। इन दोनों ऐतिहासिक क्षणों में अप्रैल मास न केवल विजय का प्रतीक बना, बल्कि नागरिक सम्मान और स्वाभिमान का गौरवपूर्ण उत्सव भी बना।

11 अगस्त 1757 को मराठों ने दिल्ली को अफगान आधिपत्य से मुक्त कर स्वराज का उद्घोष किया। इसके तुरंत बाद वे खैबर तक बढ़े और मार्च 1758 में सरहिन्द विजय के साथ गुरु गोविन्द सिंह के अमर साहेबजादों की शहादत स्थली पर भाग्य ध्वज फहराया। अप्रैल 1758 में रघुनाथ राव और मल्हार राव ने लाहौर पर विजय प्राप्त की

और 20 अप्रैल को शालीमार बाग में लाहौर के नागरिकों ने उनका अभूतपूर्व अभिनंदन किया। इसी



क्रम में तुकोजी होलकर ने अटक और पेशावर पर विजय प्राप्त कर, स्वराज का परचम सिन्धु पार खैबर तक फहरा दिया। यह क्षण भारतवर्ष के स्वाभिमान का शिखर था, जब दक्षिण एशिया का बड़ा भाग स्वराज के भगवै ध्वज के अंतर्गत आया। महाराजा रणजीत सिंह ने जुलाई 1799 में लाहौर को विजित कर अपनी राजधानी बनाया। इसके

इंडिया कम्पनी को भी पचास वर्षों तक सतलज पार नहीं बढ़ने दिया। लाहौर जैसे ऐतिहासिक नगर में नागरिकों द्वारा अपने विजेताओं का स्वतःस्फूर्त अभिनंदन भारत के इतिहास में अत्यंत दुर्लभ प्रसंग हैं। चाहे वह 1758 का मराठा विजयोत्सव हो या 1801 का रणजीत सिंह का अभिषेकज्ञ ये दोनों अवसर लाहौर के स्वराज गाथा में स्वर्णाक्षरों से अंकित हैं। इन प्रसंगों ने यह सिद्ध किया कि जनचेतना जब जागती है, तो केवल सैन्य विजय ही नहीं, सांस्कृतिक पुनर्जागरण भी होता है।

लाहौर पर अप्रैल की इन दो विजयों ने भारतवर्ष को यह स्मरण कराया कि स्वराज केवल राजनीतिक सत्ता का नाम नहीं, वह सांस्कृतिक चेतना, परंपरा और जनभागीदारी का उत्सव भी है। रघुनाथ राव और रणजीत सिंह का यह दोहरी विजयगाथा न केवल इतिहास की गौरवगाथा है, बल्कि आज के भारत के लिए प्रेरणा की धरोहर भी है।

पश्चात 12 अप्रैल 1801 को उनका भव्य राजाभिषेक एवं नागरिक अभिनंदन हुआ। उनके युद्ध ध्वज में दशभुजा माँ दुर्गा, वीरचक्र हनुमान और लक्ष्मण की छवियाँ अंकित होती थीं, जो राष्ट्रधर्म, शक्ति और सेवा के प्रतीक थे। रणजीत सिंह ने न केवल पंथम में खैबर दरें तक और उत्तर में जम्मू-कश्मीर तक साम्राज्य फैलाया, बल्कि ईस्ट

गर्मी में खीरा हीरा से अधिक सुख देता है। अपनी खेत की खीरा बाजार में बेचने ले जाती एक महिला कृषक। तस्वीर अजय सानी की



**कार्टून वर्ल्ड**















## होमबाउंड को मिली कांस की उड़ान



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर अभिनीत फिल्म होमबाउंड को आधिकारिक तौर पर कांस फिल्म फेस्टिवल के 78वें संस्करण के लिए चुना गया है। नीरज घेवन निर्देशित फिल्म होमबाउंड अन सर्टेन रिगार्ड श्रेणी में दिखाई जाएगी। अन सर्टेन रिगार्ड श्रेणी दुनिया भर के कलात्मक सिनेमा को प्रस्तुत करने के लिए जानी जाती है। यह घोषणा गुरुवार को की गई जब कांस ने 2025 के लिए अपने आधिकारिक चयन लाइनअप का अनावरण किया, जिसमें वेस एंडरसन और एरी एस्टर सहित वैश्विक नाम भी शामिल हैं। जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर दोनों ने अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रशंसकों के साथ खबर साझा की।

**दिसंबर तक हो सकते हैं बांग्लादेश में चुनाव ढाका।** बांग्लादेश चुनाव की चुनाव आयोग देश में आम चुनाव दिसंबर तक कराने की तैयारी कर रहा है और आयोग एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि चुनाव का कार्यक्रम सरकार की सहमति के साथ तय किया जाएगा। यह जानकारी आयोग के एक आला अधिकारी ने दी है। मीडिया की रिपोर्टों में चुनाव आयुक्त आयुक्त मोहम्मद अनवरुल इस्लाम सरकार के हवाले से कहा गया है कि आयोग दिसंबर में आम चुनाव कराने का विचार कर रहा है। मतदाता सूचियों को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है।

**ऑस्ट्रिया के वित्त मंत्री से मिली सीतारमण** नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वियना में ऑस्ट्रिया के संघीय वित्त मंत्री मार्कस मार्टरबाउर से मुलाकात की और उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा कि श्री मार्टरबाउर ने ऑस्ट्रिया और भारत को साझा मूल्यों वाला स्वाभाविक सहयोगी बताया।

## किश्तवाड़ में मुठभेड़ एक आतंकवादी ढेर

जम्मू। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी जिले किश्तवाड़ में जारी अभियान में एक आतंकवादी को मार गिराया है। नौ अप्रैल को किश्तवाड़ के चटरु जंगल में पुलिस के साथ एक संयुक्त तलाशी और आतंकवादियों के सफाये का अभियान शुरू किया। देर शाम आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया गया। आतंकवादियों को चारों ओर से घेर लिया गया और मुठभेड़ शुरू हो गई और एक आतंकी मारा गया।

## बिहार : राजद विधायक रीतलाल यादव के 11 टिकानों पर छापेमारी

### खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। दानापुर से राजद के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव के 11 टिकानों पर शुक्रवार को पटना पुलिस और एसटीएफ की टीम ने एकसाथ छापेमारी की। छापेमारी में 1000 पुलिसकर्मी शामिल हैं।

रीतलाल के दानापुर स्थित आवास पर पुलिस और एसटीएफ की टीम की छापेमारी जारी है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार बिल्डरों की शिकायत पर राजद विधायक रीतलाल यादव के खिलाफ छापेमारी कर कार्रवाई की गई। इस संबंध में खगौल थाना में मामला दर्ज किया गया है। किसी भी समय विधायक की गिरफ्तारी की जा सकती है। उल्लेखनीय है

## विकास व विरासत साथ लेकर चल रहा है भारत

### एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज का भारत विकास और विरासत साथ लेकर चल रहा है। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे मोदी ने 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेहदीगंज में आयोजित विशाल जनसभा में प्रधानमंत्री ने भोजपुरी में भी काशीवासियों से संवाद किया। उन्होंने बार-बार काशी के प्रति अपने गहरे लगाव को दोहराया। उन्होंने कहा कि काशी मेरी है और मैं काशी का हूँ। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में काशी ने विकास की नई गति पकड़ी है। काशी अब केवल पुरानत नहीं, बल्कि प्रगतिशील भी है। इसने आधुनिकता को अपनाया है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्वल बनाने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। उन्होंने काशी को पूर्वांचल के आर्थिक

## काशी आधुनिकता को अपनाया और विरासत को संजोया : मोदी

▶▶ प्रधानमंत्री ने वाराणसी में 3900 करोड़ की 44 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास  
▶▶ विपक्ष का सिद्धांत केवल परिवार का विकास  
▶▶ नई काशी को देखने के लिए हर श्रद्धालु उतावला: योगी



विकास। जो लोग सत्ता के लिए दिन रात खेल खेलते रहते हैं, उनका सिद्धांत है परिवार का साथ-परिवार का विकास। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में काशी का जो विकास हुआ है उस नई काशी को नए कलेवर को देखने के लिए पूरे देश के श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। योगी ने कहा कि हर किसी ने पिछले 11

वर्षों में बदलती हुई काशी को देखा है। यह वही काशी है, जो संकरी गलियों के लिए जानी जाती थी, अपने जाम के लिए जानी जाती थी। काशी शिक्षा का प्राचीन केंद्र रही है, लेकिन अस्त-व्यस्त पड़े शिक्षा के केंद्रों के साथ ही स्वास्थ्य के लिए, पर्यटन के लिए, कनेक्टिविटी के लिए पिछले 11 वर्षों में यहां 50000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं आई हैं।

## शेयर बाजार ने लगायी लंबी छलांग

### एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन को छोड़कर अन्य देशों पर लगाए गए पारस्परिक टैरिफ को 90 दिनों तक के लिए स्थगित रखने पर हुई चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार ने राहत की सांस ली और सेंसेक्स एवं निफ्टी दो फीसदी तक उछल गए। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1310.11 अंक अर्थात् 1.77 प्रतिशत की छलांग लगाकर 75 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 75,157.26 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 429.40 अंक यानी 1.92 प्रतिशत की दमदार तेजी के साथ 22828.55 अंक पर बंद हुआ। बीएसई का मिडकैप 1.84 प्रतिशत उछलकर 40,274.24 अंक और स्मॉलकैप 3.04 प्रतिशत मजबूत होकर

## टैरिफ से राहत मिलने पर सेंसेक्स-निफ्टी दो फीसदी उछले

▶▶ सेंसेक्स 1310 अंक छलांग लगाकर 75 हजार के पार  
▶▶ निफ्टी 429 अंक तेजी के साथ 22, 829 अंक पर बंद  
▶▶ टीसीएस व एशियन पेंट में गिरावट, 28 कंपनियों में तेजी



45,798.35 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 4079 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 3115 में लिवाली जबकि 846 में बिकवाली हुई वहीं 118 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2959 कंपनियों के शेयरों में से 2381 में तेजी जबकि 492 में गिरावट रही वहीं 86 में टिकाव रहा। निवेश धारणा मजबूत होने से बीएसई के सभी 21 समूहों में तेजी रही। कर्मांडीज 3.40, सीडी 2.25, ऊर्जा 2.51, एफएमसीजी

1.09, वित्तीय सेवाएं 1.76, हेल्थकेयर 2.11, इंडस्ट्रियल्स 2.34, आईटी 0.86, दूरसंचार 2.23, यूटिलिटीज 2.76, ऑटो 2.02, बैंकिंग 1.59, कैपिटल गुट्स 2.15, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.92, धातु 4.29, तेल एवं गैस 1.94, पावर 2.64, रियल्टी 1.31, टेक 1.17, सर्विसेज 1.18 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.67 प्रतिशत उछल गए। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.51, हांगकांग का

हैंगसेंग 1.13 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.45 प्रतिशत मजबूत रहा। वहीं, जर्मनी का डैक्स 0.81 और जापान का निक्केई 2.96 प्रतिशत लुढ़क गया टीसीएस एवं एशियन पेंट की 0.76 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर अन्य 28 कंपनियों में तेजी रही। टाटा स्टील 4.91, पावरग्रिड 3.72, एनटीपीसी 3.25, कोटक बैंक 2.85, रिलायंस 2.84, अडानी पोर्ट्स 2.81, इंटरनल 2.65, बजाज फिनसर्व 2.56, भारती एयरटेल 2.42, एचडीएफसी बैंक 2.33, बजाज फाइनेंस 2.29, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.27, सन फार्मा 2.15 और टाटा मोटर्स ने 2.07 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। एलटी 1.89, टाइटन 1.88, एसबीआई 1.62, इंडसइंड बैंक 1.53, आईटीसी 1.36, मासुति 1.23, अल्ट्रासिम्को

## निवेशकों ने 7.72

लाख करोड़ कमाया शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े सात करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 401.54 लाख करोड़ रुपये (अस्थायी) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 393.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को करीब 7.72 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

1.23, एचसीएल टेक 1.04, आईसीआईसीआई बैंक 0.98, टेक महिंद्रा 0.86, एक्सिस बैंक 0.74, हिंदुस्तान यूनिलॉवर 0.73, नेस्ले इंडिया 0.70 और इफोसिस के शेयर 0.46 प्रतिशत लाभ में रहे।

जय श्री राम जय श्री राम जय श्री राम जय श्री राम

संकट कटे मिटे सब पीरा,  
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।

श्री हनुमान  
जयंती  
की हार्दिक  
शुभकामनाये

Van Vrindavan Construction (P) Ltd.

## न्यूयॉर्क : हेलीकाप्टर हडसन नदी में गिरा पायलट समेत 6 मरे

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे को हेलीकाप्टर हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन बच्चे और तीन व्यस्क शामिल हैं। यह सभी स्पेन के रहने वाले हैं। यह लोग हेलीकाप्टर से सैर-सपाटा करने निकले थे। हेलीकाप्टर हवा में दो टुकड़ों में बंटकर हडसन नदी में गिर गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुर्घटना को भयानक बताते हुए कहा कि दुर्घटना का फुटज भयावह है। उन्होंने लिखा कि भगवान पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों को दुख सहने करने की क्षमता प्रदान करें। अधिकारियों ने बताया कि जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज पर न्यू जर्सी तटरेखा के साथ आगे बढ़ने के लिए मुड़ने के कुछ ही समय बाद हेलीकाप्टर ने नियंत्रण खो दिया। यह हेलीकाप्टर आसमान से सीधे नदी में गिरते हुए दिख रहा है। एबीएस-डी एक्सचेंज के डेटा से यह खुलासा हुआ है कि हेलीकाप्टर ने लोअर मैनहट्टन से उड़ान भरी थी।

## बिल्डरों की शिकायत पर पुलिस और एसटीएफ ने बाहुबली विधायक के दानापुर आवास समेत 11 स्थानों पर बोला धावा



कि पटना हाई कोर्ट ने दानापुर की पूर्व विधायक आशा देवी के पति सत्यनारायण सिन्हा की हत्या मामले में दानापुर विधायक रीतलाल यादव समेत अन्य के खिलाफ इस साल फरवरी में नोटिस जारी किया था।



## पूरी ताकत से जवाबी कदम उठाएगा और अंत तक लड़ेगा : वित्त मंत्रालय

यूनिन से अमेरिका द्वारा धमकाने का विरोध करने का आग्रह किया है। वाशिंगटन के साथ तनाव बढ़ने के बीच, चीनी राष्ट्रपति शी जिंपिंग ने यूरोपीय यूनिन से आग्रह किया है कि वह बीजिंग के साथ मिलकर ट्रंप की एकतरफा धमकाने वाली नीतियों के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाए। शी ने यूरोपीय यूनिन के अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि चीन और यूरोप को अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को निभाना चाहिए। ट्रंप द्वारा एकतरफा दी जा रही धमकी का संयुक्त रूप से विरोध करना चाहिए। अंतिम समय तक लड़ेंगे। चीनी अधिकारियों ने बातचीत का रास्ता खुला रखा है। लेकिन साथ ही चीनी अधिकारियों

ने कहा कि वह ट्रंप की धमकियों के खिलाफ अंत तक लड़ेंगे, लेकिन अगर अमेरिका बातचीत करने के लिए तैयार है तो हम भी बात करने के पक्षधर हैं। बाजार में अस्थिरता को कम करने के लिए, चीन ने अपने घरेलू बाजारों को स्थिर करने के कदम उठाए हैं। सरकारी समर्थन वाले फंड्स सक्रिय रूप से स्टॉक्स और एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स खरीद रहे हैं ताकि निवेशकों का भरोसा बना रहे।

## दूसरे परीक्षण में ग्लाइड बम गौरव ने सटीक निशाना साधा

### एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी) गौरव अपने दूसरे परीक्षण में भी खरा उतरा है। ओडिशा के तट पर परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को बिल्कुल सटीकता से मारकर अपनी उपयोगिता साबित की। उड़ान की निगरानी डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना को बधाई दी। डीआरडीओ ने लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का पहला परीक्षण पिछले साल 14 अगस्त को किया था। डीआरडीओ ने लड़ाकू विमान एसयू-30 एमकेआई से 8-10 अप्रैल के दौरान लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी) गौरव

## एक हजार किलो वर्ग का लंबी दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है ग्लाइड बम



के सफल परीक्षण किए हैं। उड़ान परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को सटीक निशाना बनाया। एलआरजीबी गौरव हवा से प्रक्षेपित 1,000 किलोग्राम वर्ग का ग्लाइड बम है, जो लंबी दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। गौरव को हैदराबाद के रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है।